पैकेज–II

Drishti IAS

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025

इतिहास

(वैकल्पिक विषय)

हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों माध्यम में

आरंभ 12 जनवरी, 2025

कुल 8 सेक्शनल टेस्ट्स

ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में

शुल्क : ₹10,000/-

मुखर्जी नगर शाखा	करोल बाग शाखा	प्रयागराज शाखा	जयपुर शाखा	लखनऊ शाखा	इंदौर शाखा	नोएडा शाखा
641, मुखर्जी नगर, दिल्ली	21, पूसा रोड, नई दिल्ली	13/15, ताशकंद मार्ग, पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, उत्तर प्रदेश	प्लॉट नंबर–45 व 45–ए, हर्ष टावर–2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, राजस्थान	47/ सीसी, बलिंगटन मॉल, विधानसभा मार्ग, लालबाग, उत्तर प्रदेश	12, मेन ए.बी. रोड, भँवर कुआँ, मध्य प्रदेश	सी–171/2, ब्लॉक–ए, सेक्टर–15, उत्तर प्रदेश

Contacts: 87501 87501 E-mail: care@groupdrishti.in Website: www.drishtiias.com

विशेषताएँ

- प्रश्न की भाषा-शैली एवं प्रकृति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुरूप तथा गहरी समझ और जानकारी पर आधारित।
- प्रश्न में पूछे गए टॉपिक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले महत्त्वपूर्ण तथा प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मुख्य परीक्षा में सहायक होंगे।
- अंर्तविषयात्मक एवं बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ मॉडल उत्तरों का सरल एवं प्रभावी प्रस्तुतिकरण।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए उत्तर लेखन में अपेक्षित चित्रों, उदाहरणों, ग्राफिक निरूपण, पाई चार्ट आदि के माध्यम से बेहतर उत्तर तैयार किये जाने पर विशेष ध्यान।
- मॉडल उत्तर लेखन के दौरान केवल स्तरीय मानक पुस्तकों तथा स्रोतों का उपयोग।
- समुचित तैयारी के लिये प्रत्येक टेस्ट के मध्य आवश्यक अंतराल।
- संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित शब्द सीमा में मॉडल उत्तरों का निर्माण।

टेस्ट कोड	दिनांक	पाठ्यक्रम
टेस्ट-1 OPT-H-2501	12 जनवरी, 2025 (रविवार)	पुरातात्विक स्रोत, प्रागैतिहास एवं आद्य इतिहास, सिंधु घाटी सभ्यता, महापाषाण-युगीन संस्कृतियाँ; आर्य एवं वैदिक काल, महाजनपद काल, मौर्य साम्राज्य, उत्तर मौर्य काल
टेस्ट-2 OPT-H-2502	19 जनवरी, 2025 (रविवार)	प्रारंभिक मध्यकालीन भारत (750 ई. – 1200 ई.), भारत की सांस्कृतिक परंपरा (750 ई. – 1200 ई.), दिल्ली सल्तनत (13वीं एवं 14वीं शताब्दी), 13वीं एवं 14वीं शताब्दी का समाज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था
टेस्ट-3 OPT-H-2503	2 फरवरी, 2025 (रविवार)	भारत में यूरोप का प्रवेश, भारत में ब्रिटिश प्रसार, ब्रिटिश राज्य की प्रारंभिक संरचना, ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का आर्थिक प्रभाव, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास; बंगाल एवं अन्य क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन, ब्रिटिश शासन के प्रति भारत की अनुक्रिया, भारतीय राष्ट्रवाद के जन्म के कारक, गांधी का उदय
टेस्ट-4 OPT-H-2504	9 फरवरी, 2025 (रविवार)	प्रबोधन एवं आधुनिक विचार, आधुनिक राजनीति के मूल स्रोत, औद्योगिकीकरण, राष्ट्र राज्य प्रणाली; साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद, क्रांति एवं प्रतिक्रांति, विश्वयुद्ध, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद का विश्व
टेस्ट-5 OPT-H-2505	16 फरवरी, 2025 (रविवार)	15वीं एवं प्रारंभिक 16वीं शताब्दी- राजनीतिक घटनाक्रम एवं अर्थव्यवस्था, 15वीं एवं प्रारंभिक 16वीं शताब्दी- समाज एवं संस्कृति, अकबर; 17वीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य, 16वीं एवं 17वीं शताब्दी में अर्थव्यवस्था एवं समाज, मुगल साम्राज्यकालीन संस्कृति, 18वीं शताब्दी
टेस्ट-6 OPT-H-2506	2 मार्च, 2025 (रविवार)	प्रारंभिक राज्य एवं समाज; पूर्वी भारत, दक्कन एवं दक्षिण भारत, गुप्त वंश, वाकाटक एवं वर्धन वंश, गुप्तकालीन क्षेत्रीय राज्य, प्रारंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रतिपाद्य
टेस्ट-7 OPT-H-2507	9 मार्च, 2025 (रविवार)	औपनिवेशिक, राष्ट्रीय आंदोलन की अन्य कड़ियाँ, अलगाववाद की राजनीति, स्वतंत्रता के पश्चात् भारत, एक राष्ट्र के रूप में सुदृढ़ीकरण, 1947 के बाद जाति नृजातित्व, आर्थिक विकास एवं राजनैतिक परिवर्तन
टेस्ट-8 OPT-H-2508	16 मार्च, 2025 (रविवार)	औपनिवेशिक शासन से मुक्ति, वि-औपनिवेशीकरण एवं अल्पविकास, यूरोप का एकीकरण, सोवियत यूनियन का विघटन एवं एक ध्रुवीय विश्व का उदय

*पाठ्यक्रम के विस्तृत विवरण के लिये, कृपया बाद के पृष्ठों को देखें।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

मॉड्यूल शेड्यूल

टेस्ट कोड	दिनांक व दिन	विस्तृत पाठ्यक्रम
टेस्ट-1 OPT-H-2501	12 जनवरी, 2025 (रविवार)	**पुरातात्विक स्रोत** ● पुरातात्विक स्रोत: अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेखविद्या, मुद्राशास्त्र, स्मारक, साहित्य स्रोत। स्वदेशी: प्राथमिक व द्वितीयक; कविता, विज्ञान साहित्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, धार्मिक साहित्य। विदेशी वर्णन: यूनानी, चीनी एवं अरब लेखक **प्रागैतिहास एवं आद्य इतिहास** ● भौगोलिक कारक, शिकार एवं संग्रहण (पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण युग); कृषि का आरंभ (नवपाषाण एवं ताम्रपाषाण युग)। **सिंधु घाटी सभ्यता** ● उद्गम, काल, विस्तार, विशेषताएँ, पतन, अस्तित्व एवं महत्त्व, कला एवं स्थापत्य। **महापाषाण-युगीन संस्कृतियाँ** ● सिंधु से बाहर पशुचारण एवं कृषि संस्कृतियों का विस्तार, सामुदायिक जीवन का विकास, बस्तियाँ, कृषि का विकास, शिल्पकर्म, मृदभांड एवं लौह उद्योग। **आर्य एवं वैदिक काल** ● भारत में आर्यों का प्रसार। वैदिक काल: धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य; ऋग्वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक हुए रूपांतरण; राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन; वैदिक युग का महत्त्व; राजतंत्र एवं वर्ण व्यवस्था का क्रम विकास। **महाजनपद काल** ● महाजनपदों का निर्माण: गणतंत्रीय एवं राजतंत्रीय; नगर केंद्रों का उद्भव; व्यापार मार्ग, आर्थिक विकास; टंकण (सिक्का ढलाई); जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म का प्रसार; मगधों एवं नंदों का उद्भव। ईरानी एवं मकदूनियाई आक्रमण एवं उनके प्रभाव। **मौर्य साम्राज्य** ● मौर्य साम्राज्य की नींव, चंद्रगुप्त, कौटिल्य और अर्थशास्त्र; अशोक; धर्म की संकल्पना; धर्मादेश; राज्य व्यवस्था; प्रशासन; अर्थव्यवस्था; कला, स्थापत्य एवं मूर्तिशिल्प; विदेशी संपर्क; धर्म; धर्म का प्रसार; साहित्य। साम्राज्य का विघटन; शुंग एवं कण्व। **मौर्योत्तर काल** ● बाहरी विश्व से संपर्क; नगर-केंद्रों का विकास, अर्थव्यवस्था, टंकण, धर्मों का विकास, महायान, सामाजिक दशाएँ, कला, स्थापत्य, संस्कृति, साहित्य एवं विज्ञान।

टेस्ट-2 OPT-H-2502	19 जनवरी, 2025 (रविवार)	**प्रारंभिक मध्यकालीन भारत (750 ई.-1200 ई.)** ● राज्य व्यवस्था: उत्तरी भारत एवं प्रायद्वीप में प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रम, राजपूतों का उद्गम एवं उदय। ● चोल वंश: ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं समाज ● भारतीय सामंतशाही ● कृषि अर्थव्यवस्था एवं नगरीय बस्तियाँ ● व्यापार एवं वाणिज्य ● समाज: ब्राह्मण की स्थिति एवं नई सामाजिक व्यवस्था ● स्त्री की स्थिति ● भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी **भारत की सांस्कृतिक परंपरा (750 ई.-1200 ई.)** ● दर्शन: शंकराचार्य एवं वेदांत, रामानुज एवं विशिष्टाद्वैत, मध्व एवं ब्रह्म-मीमांसा। ● धर्म: धर्म के स्वरूप एवं विशेषताएँ, तमिल भक्ति, संप्रदाय, भक्ति का विकास, इस्लाम एवं भारत में इसका आगमन, सूफी मत। ● साहित्य: संस्कृत साहित्य, तमिल साहित्य का विकास, नवविकासशील भाषाओं का साहित्य, कल्हण की राजतरंगिणी, अलबरूनी का इंडिया। ● कला एवं स्थापत्य: मंदिर स्थापत्य, मूर्तिशिल्प, चित्रकला। **दिल्ली सल्तनत (13वीं एवं 14वीं शताब्दी)** ● दिल्ली सल्तनत की स्थापना: गोरी के आक्रमण-गोरी की सफलता के पीछे के कारक। ● आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिणाम। ● दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं प्रारंभिक तुर्क सुल्तान। ● सुदृढ़ीकरण: इल्तुतमिश और बलबन का शासन। ● खिलजी क्रांति ● अलाउद्दीन खिलजी: विजय एवं क्षेत्र-प्रसार, कृषि एवं आर्थिक उपाय। ● मुहम्मद तुगलक: प्रमुख प्रकल्प (Project), कृषि उपाय, मुहम्मद तुगलक की अफसरशाही। ● फिरोज़ तुगलक: कृषि उपाय, सिविल इंजीनियरी एवं लोक निर्माण में उपलब्धियाँ, दिल्ली सल्तनत का पतन, विदेशी संपर्क एवं इब्न बतूता का वर्णन। **13वीं और 14वीं शताब्दी का समाज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था** ● समाज, ग्रामीण समाज की रचना, शासी वर्ग, नगर निवासी, स्त्री, धार्मिक वर्ग, सल्तनत के अंतर्गत जाति एवं दास प्रथा, भक्ति आंदोलन, सूफी आंदोलन। ● संस्कृति: फारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, दक्षिण भारत की भाषाओं का साहित्य, सल्तनत स्थापत्य एवं नए स्थापत्य रूप, चित्रकला, सम्मिश्र संस्कृति का विकास। ● अर्थव्यवस्था: कृषि उत्पादन, नगरीय अर्थव्यवस्था एवं कृषित्तर उत्पादन का उद्भव, व्यापार एवं वाणिज्य।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

टेस्ट-3 OPT-H-2503	2 फरवरी, 2025 (रविवार)	**भारत में यूरोपियनों का प्रवेश** ● प्रारंभिक यूरोपीय बस्तियाँ; पुर्तगाली एवं डच, अंग्रेज़ी एवं फ्राँसीसी ईस्ट इंडिया कंपनियाँ; आधिपत्य के लिये उनके युद्ध; कर्नाटक युद्ध; बंगाल- अंग्रेज़ों एवं बंगाल के नवाब के बीच संघर्ष; सिराज़ और अंग्रेज़; प्लासी का युद्ध; प्लासी का महत्त्व। **भारत में ब्रिटिश प्रसार** ● बंगाल- मीर जाफर एवं मीर कासिम; बक्सर का युद्ध; मैसूर, मराठा; तीन अंग्रेज़-मराठा युद्ध; पंजाब **ब्रिटिश राज्य की प्रारंभिक संरचना** ● प्रारंभिक प्रशासनिक संरचना; द्वैधशासन से प्रत्यक्ष नियंत्रण तक; रेग्यूलेटिंग एक्ट (1773); पिट्स इंडिया एक्ट (1784); चार्टर एक्ट (1833); मुक्त व्यापार का स्वर एवं ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का बदलता स्वरूप; अंग्रेज़ी उपयोगितावादी और भारत। **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का आर्थिक प्रभाव** ● ब्रिटिश भारत में भूमि- राजस्व बंदोबस्त; स्थायी बंदोबस्त; रैयतवाड़ी बंदोबस्त; महालवाड़ी बंदोबस्त; राजस्व प्रबंध का आर्थिक प्रभाव; कृषि का वाणिज्यीकरण; भूमिहीन कृषि श्रमिकों का उदय; ग्रामीण समाज का परिक्षीणन। ● पारंपरिक व्यापार एवं वाणिज्य का विस्थापन; अनौद्योगीकरण; पारंपरिक शिल्प की अवनति; धन का अपवाह; भारत का आर्थिक रूपांतरण; टेलीग्राफ और डाक सेवाओं समेत रेल पथ एवं संचार जाल; ग्रामीण भीतरी प्रदेश में दुर्भिक्ष एवं गरीबी; यूरोपीय व्यापार उद्यम एवं इसकी सीमाएँ। **सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास** ● स्वदेशी शिक्षा की स्थिति; इसका विस्थापन; प्राच्यविद्-आंग्लविद् विवाद, भारत में पश्चिमी शिक्षा का प्रादुर्भाव; प्रेस, साहित्य एवं लोकमत का उदय; आधुनिक मातृभाषा साहित्य का उदय; विज्ञान की प्रगति; भारत में क्रिश्चियन मिशनरी के कार्यकलाप। **बंगाल एवं अन्य क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन** ● राममोहन राय, ब्रह्म आंदोलन; देवेंद्रनाथ टैगोर; ईश्वरचंद्र विद्यासागर; युवा बंगाल आंदोलन; दयानंद सरस्वती; भारत में सती, विधवा विवाह, बाल विवाह आदि समेत सामाजिक सुधार आंदोलन; आधुनिक भारत के विकास में भारतीय पुनर्जागरण का योगदान; इस्लामी पुनरुद्धार वृत्ति- फराइज़ी एवं वहाबी आंदोलन। **ब्रिटिश शासन के प्रति भारत की अनुक्रिया** ● रंगपुर ढींग (1783), कोल विद्रोह (1832), मालाबार में मोपला विद्रोह (1841-1920), संथाल हुल (1855), नील विद्रोह (1859-60), दक्कन विप्लव (1875) एवं मुंडा उल्गुलान (1899-1900) समेत 18वीं एवं 19वीं शताब्दी में हुए किसान आंदोलन और जनजातीय विप्लव; 1857 का महाविद्रोह- उद्गम, स्वरूप, असफलता के कारण, परिणाम; पश्च 1857 काल में किसान विप्लव के स्वरूप में बदलाव; 1920 और 1930 के दशकों में हुए किसान आंदोलन।

		भारतीय राष्ट्रवाद के जन्म के कारक ● संघों की राजनीति; भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की बुनियाद; कॉन्ग्रेस के जन्म के संबंध में सेफ्टी वाल्व का पक्ष; प्रारंभिक कॉन्ग्रेस के कार्यक्रम एवं लक्ष्य; प्रारंभिक कॉन्ग्रेस नेतृत्व की सामाजिक रचना; नरम दल एवं गरम दल; बंगाल का विभाजन (1905); बंगाल में स्वदेशी आंदोलन; स्वदेशी आंदोलन के आर्थिक एवं राजनीतिक परिप्रेक्ष्य; भारत में क्रांतिकारी उग्रपंथ का आरंभ। **गांधी का उदय** ● गांधी के राष्ट्रवाद का स्वरूप; गांधी का जनाकर्षण; रॉलेट सत्याग्रह; खिलाफत आंदोलन; असहयोग आंदोलन समाप्त होने के बाद से सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रारंभ होने तक की राष्ट्रीय राजनीति, सविनय अवज्ञा आंदोलन के दो चरण; साइमन कमीशन; नेहरू रिपोर्ट; गोलमेज़ परिषद; राष्ट्रवाद और किसान आंदोलन; राष्ट्रवाद एवं श्रमिक वर्ग आंदोलन; महिला एवं भारतीय युवा तथा भारतीय राजनीति में छात्र (1885-1947); 1937 का चुनाव तथा मंत्रालयों का गठन; क्रिप्स मिशन; भारत छोड़ो आंदोलन; वेवेल योजना; कैबिनेट मिशन।
टेस्ट-4 OPT-H-2504	9 फरवरी, 2025 (रविवार)	**प्रबोधन एवं आधुनिक विचार** ● प्रबोधन के प्रमुख विचार : कांट, रूसो ● उपनिवेशों में प्रबोध - प्रसार ● समाजवादी विचारों का उदय (मार्क्स तक); मार्क्स के समाजवाद का प्रसार **आधुनिक राजनीति के मूल स्रोत** ● यूरोपीय राज्य प्रणाली ● अमेरिकी क्रांति एवं संविधान ● फ्राँसीसी क्रांति एवं उसके परिणाम, 1789-1815 ● अब्राहम लिंकन के संदर्भ के साथ अमेरिकी सिविल युद्ध एवं दासता का उन्मूलन ● ब्रिटिश गणतंत्रात्मक राजनीति, 1815-1850; संसदीय सुधार, मुक्त व्यापारी, चार्टरवादी **औद्योगिकीकरण** ● अंग्रेज़ी औद्योगिक क्रांति : कारण एवं समाज पर प्रभाव। ● अन्य देशों में औद्योगीकरण: संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, रूस, जापान। ● औद्योगीकरण एवं भूमंडलीकरण। **राष्ट्र राज्य प्रणाली** ● 19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय ● राष्ट्रवाद : जर्मनी और इटली में राज्य निर्माण। ● पूरे विश्व में राष्ट्रीयता के आविर्भाव के समक्ष साम्राज्यों का विघटन। **साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद** ● दक्षिण एवं दक्षिण -पूर्व एशिया ● लातीनी अमेरिका एवं दक्षिण अफ्रीका ● ऑस्ट्रेलिया ● साम्राज्यवाद एवं मुक्त व्यापार: नवसाम्राज्यवाद का उदय।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

		क्रांति एवं प्रतिक्रांति ● 19वीं शताब्दी की यूरोपीय क्रांतियाँ ● 1917-1921 की रूसी क्रांति ● फासीवाद प्रतिक्रांति, इटली एवं जर्मनी ● 1949 की चीनी क्रांति **प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध** ● संपूर्ण युद्ध के रूप में प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध: समाजीय निहितार्थ ● प्रथम विश्वयुद्ध: कारण एवं परिणाम ● द्वितीय विश्वयुद्ध: कारण एवं परिणाम **द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद का विश्व** ● दो शक्तियों का आविर्भाव ● तृतीय विश्व एवं गुटनिरपेक्षता का आविर्भाव ● संयुक्त राष्ट्रसंघ एवं वैश्विक विवाद
टेस्ट-5 OPT-H-2505	16 फरवरी, 2025 (रविवार)	**15वीं एवं प्रारंभिक 16वीं शताब्दी- राजनीतिक घटनाक्रम एवं अर्थव्यवस्था** ● प्रांतीय राजवंशों का उदय: बंगाल, कश्मीर (ज़ैनुल आबदीन), गुजरात, मालवा, बहमनी। ● विजयनगर साम्राज्य ● लोदी वंश ● मुगल साम्राज्य, पहला चरण: बाबर एवं हुमायूँ ● सूर साम्राज्य: शेरशाह का प्रशासन ● पुर्तगाली औपनिवेशिक प्रतिष्ठान **15वीं एवं प्रारंभिक 16वीं शताब्दी- समाज एवं संस्कृति** ● समाज एवं संस्कृति ● क्षेत्रीय सांस्कृतिक विशिष्टताएँ ● साहित्यिक परंपराएँ ● प्रांतीय स्थापत्य ● विजयनगर साम्राज्य का समाज, संस्कृति, साहित्य और कला। **अकबर** ● विजय एवं साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण ● जागीर एवं मनसब व्यवस्था की स्थापना ● राजपूत नीति ● धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण का विकास, सुलह-ए-कुल का सिद्धांत एवं धार्मिक नीति। ● कला एवं प्रौद्योगिकी को राजदरबारी संरक्षण। **17वीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य** ● जहाँगीर, शाहजहाँ एवं औरंगज़ेब की प्रमुख प्रशासनिक नीतियाँ ● साम्राज्य एवं ज़मींदार ● जहाँगीर, शाहजहाँ एवं औरंगज़ेब की धार्मिक नीतियाँ ● मुगल राज्य का स्वरूप ● उत्तर सत्रहवीं शताब्दी का संकट एवं विद्रोह ● अहोम साम्राज्य ● शिवाजी एवं प्रारंभिक मराठा राज्य

		16वीं एवं 17वीं शताब्दी में अर्थव्यवस्था एवं समाज ● जनसंख्या, कृषि उत्पादन, शिल्प उत्पादन ● सिख समुदाय एवं खालसा पंथ का विकास ● नगर, डच, अंग्रेज़ी एवं फ्राँसीसी कंपनियों के माध्यम से यूरोप के साथ वाणिज्य: व्यापार क्रांति। ● भारतीय व्यापारी वर्ग, बैंकिंग, बीमा एवं ऋण प्रणालियाँ ● किसानों की दशा, स्त्रियों की दशा **मुगल साम्राज्यकालीन संस्कृति** ● फारसी इतिहास एवं अन्य साहित्य ● हिंदी एवं अन्य धार्मिक साहित्य ● विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ● मुगल स्थापत्य ● मुगल चित्रकला ● प्रांतीय स्थापत्य एवं चित्रकला ● शास्त्रीय संगीत **18वीं शताब्दी** ● मुगल साम्राज्य के पतन के कारक ● क्षेत्रीय सामंत देश: निज़ाम का दक्कन, बंगाल, अवध ● पेशवा के अधीन मराठा उत्कर्ष ● मराठा राजकोषीय एवं वित्तीय व्यवस्था ● अफगान शक्ति का उदय, पानीपत का युद्ध-1761 ● ब्रिटिश विजय की पूर्व संध्या में राजनीति, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था की स्थिति।
टेस्ट-6 OPT-H-2506	2 मार्च, 2025 (रविवार)	**प्रारंभिक राज्य एवं समाज; पूर्वी भारत, दक्कन एवं दक्षिण भारत में:** ● खारवेल, सातवाहन, संगमकालीन तमिल राज्य; प्रशासन, अर्थव्यवस्था, भूमि-अनुदान, टंकण, व्यापारिक श्रेणियाँ एवं नगर केंद्र; बौद्ध केंद्र, संगम साहित्य एवं संस्कृति, कला एवं स्थापत्य। **गुप्त वंश, वाकाटक एवं वर्धन वंश** ● राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, आर्थिक दशाएँ, गुप्तकालीन टंकण, भूमि अनुदान, नगर केंद्रों का पतन, भारतीय सामंतशाही, जाति प्रथा, स्त्री की स्थिति, शिक्षा एवं शैक्षिक संस्थाएँ, नालंदा, विक्रमशिला एवं वल्लभी, साहित्य, विज्ञान, कला एवं स्थापत्य। **गुप्तकालीन क्षेत्रीय राज्य** ● कदंब वंश, पल्लव वंश, बादामी का चालुक्य वंश; राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, व्यापारिक श्रेणियाँ, साहित्य; वैष्णव एवं शैव धर्मों का विकास। तमिल भक्ति आंदोलन, शंकराचार्य; वेदांत, मंदिर संस्थाएँ एवं मंदिर स्थापत्य; पाल वंश, सेन वंश, राष्ट्रकूट वंश, परमार वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; सांस्कृतिक पक्ष। सिंध के अरब विजेता; अलबरूनी, कल्याणी का चालुक्य वंश, चोल वंश, होयसल वंश, पांड्य वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य का विकास, धार्मिक संप्रदाय, मंदिर एवं मठ संस्थाएँ, अग्रहार वंश, शिक्षा एवं साहित्य, अर्थव्यवस्था एवं समाज। **प्रारंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रतिपाद्य** ● भाषाएँ एवं मूलग्रंथ, कला एवं स्थापत्य के क्रम विकास के प्रमुख चरण, प्रमुख दार्शनिक चिंतक एवं शाखाएँ, विज्ञान एवं गणित के क्षेत्र में विचार।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

टेस्ट-7 OPT-H-2507	9 मार्च, 2025 (रविवार)	**ब्रिटिश भारत में संवैधानिक घटनाक्रम** ● भारत में 1858 और 1935 के बीच सांविधानिक घटनाक्रम। **राष्ट्रीय आंदोलन की अन्य कड़ियाँ** ● क्रांतिकारी; बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, यू.पी., मद्रास प्रदेश, भारत से बाहर, वाम पक्ष; कॉन्ग्रेस के अंदर का वाम पक्ष : जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चन्द्र बोस, कॉन्ग्रेस समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, अन्य वामदल। **अलगाववाद की राजनीति एवं सांप्रदायिकता** ● मुस्लिम लीग; हिंदू महासभा; सांप्रदायिकता एवं विभाजन की राजनीति; सत्ता का हस्तांतरण; स्वतंत्रता। **एक राष्ट्र के रूप में सुदृढ़ीकरण नेहरू की विदेशी नीति;** ● भारत और उसके पड़ोसी (1947-1964) राज्यों का भाषावाद पुनर्गठन (1935-1947); क्षेत्रीयतावाद एवं क्षेत्रीय असमानता; भारतीय रियासतों का एकीकरण; निर्वाचन की राजनीति में रियासतों के नरेश (प्रिंस); राष्ट्रीय भाषा का प्रश्न। **1947 के बाद जाति एवं नृजातित्व** ● उत्तर-औपनिवेशिक निर्वाचन-राजनीति में पिछड़ी जातियां एवं जनजातियां, दलित आंदोलन। **आर्थिक विकास एवं राजनैतिक परिवर्तन** ● भूमि सुधार योजना एवं ग्रामीण पुनर्रचना की राजनीति; उत्तर औपनिवेशिक भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण नीतिः विज्ञान की तरक्की
टेस्ट-8 OPT-H-2508	16 मार्च, 2025 (रविवार)	**औपनिवेशिक शासन से मुक्ति** ● लातीनी अमेरिका - बोलीवर ● अरब विश्व - मिस्र ● अफ्रीका - रंगभेद से गणतंत्र तक ● दक्षिण-पूर्व एशिया - वियतनाम **वि-औपनिवेशीकरण एवं अल्पविकास** ● विकास के बाधक कारक : लातीनी अमेरिका, अफ्रीका। **यूरोप का एकीकरण** ● युद्धोत्तर स्थापनाएँ NATO एवं यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी) ● यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी) का सुदृढ़ीकरण एवं प्रसार ● यूरोपीय संघ **सोवियत रूस का विघटन एवं एकध्रुवीय विश्व का उदय** ● सोवियत साम्यवाद एवं सोवियत यूनियन को निपात तक पहुँचाने वाले कारक, 1985-1991 ● पूर्वी यूरोप में राजनीतिक परिवर्तन 1989-2001 ● शीतयुद्ध का अंत एवं अकेली महाशक्ति के रूप में US का उत्कर्ष।

यू.पी.एस.सी. (2024) तथा इतिहास (वैकल्पिक विषय) टेस्ट सीरीज़ तुलनात्मक विश्लेषण

प्रश्न पत्र-I

टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
H-2401 H-2401 H-2409 H-2413	1. (e) 6. (a) 2. (c) 2. (b)	• सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख शहरी विशेषताओं को उजागर कीजिये। • कला एवं शिल्प के विकास के दृष्टिकोण से सिंधु घाटी सभ्यता तत्कालीन समय की सर्वाधिक विकसित सभ्यताओं में से एक थी। चर्चा कीजिये। • सिंधु घाटी सभ्यता से प्राप्त मुहरों का क्या महत्त्व है तथा ये हमें समाज के बारे में क्या बताती हैं? • 'सभ्यता समाप्त हो गई लेकिन विचार आज तक फल-फूल रहा है।' सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिये।	2. (a)	• हड़प्पा कला आध्यात्मिक और आनुष्ठानिक जीवन के साथ-साथ उनकी सौंदर्य-संबंधी संवेदनाओं को भी समझने में योगदान करती है। टिप्पणी कीजिये।	20
H-2401	2. (c)	• प्रायद्वीपीय भारत के ऐतिहासिक विकास में महापाषाणकालीन संस्कृति को एक आरंभिक चरण माना जाना चाहिये। विश्लेषण कीजिये।	2. (b)	• भारत में विभिन्न प्रकार की महापाषाणिक शवाधान प्रथाओं पर चर्चा कीजिये। इससे प्राप्त पुरातात्विक साक्ष्य हमें धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक प्रथाओं को जानने में कितनी मदद करते हैं?	15
H-2406 H-2409	2. (a) 3. (b)	• बौद्ध एवं जैन धर्मों का उदय समान परिस्थितियों में हुआ, लेकिन सिद्धांत एवं व्यवहार के स्तर पर समानता एवं असमानता दोनों बिन्दुओं को परिलक्षित करते हैं। • समय के साथ बौद्ध धर्म का प्रसार एवं विकास किस प्रकार हुआ है तथा विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में इसके प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक प्रभाव क्या रहे हैं?	3. (a)	• बौद्ध प्रतिष्ठानों, व्यापारियों व शिल्पकार श्रेणी के बीच सहजीवी संबंधों व राजाश्रय के कारण मौर्य एवं उत्तर-मौर्य काल में धर्म, अर्थव्यवस्था एवं राजनीति में निकटता पैदा हुई। कथन का परीक्षण कीजिये।	20

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

H-2411	4. (a)	• अशोक के धम्म के सिद्धांत के प्रमुख तत्त्वों पर प्रकाश डालते हुए धम्म के प्रचार के प्रति उनकी प्रेरणा के कारणों की विवेचना कीजिये।	3. (b)	• मौर्य साम्राज्य के सामाजिक-धार्मिक परिदृश्य को आकार देने में बौद्ध धर्म की भूमिका पर चर्चा कीजिये।	15
H-2409 H-2401	4. (a) 4. (c)	• सामाजिक एवं राजनीतिक विकास के संदर्भ में प्रारंभिक और उत्तर वैदिक काल की तुलना करते हुए इनके मध्य अंतर को स्पष्ट कीजिये। दोनों चरणों के मध्य हुए प्रमुख परिवर्तन क्या थे? • ऋग्वेद की तुलना में, बाद के वैदिक साहित्य में राजनीतिक संगठन, सामाजिक जीवन और आर्थिक गतिविधियों में अधिक जटिलता का पता चलता है। विश्लेषण कीजिये।	3. (c)	• ऋग्वैदिक काल से उत्तरवैदिक काल के बीच राज्य संस्था और कर प्रणाली के उद्विकासक्रम की चर्चा कीजिये।	15
H-2406	3. (a)	• क्या आप इस बात से सहमत हैं कि "प्राचीन काल में भारतीय केवल तत्त्वमीमांसा में लिप्त थे, शुद्ध विज्ञान के विकास में नहीं"?	4. (a)	• खगोल विज्ञान और गणित के क्षेत्र में आर्यभट्ट, वाराहमिहिर और ब्रह्मगुप्त के योगदानों पर प्रकाश डालिये।	20
H-2406	4. (c)	• प्रारंभिक मध्यकालीन भारत में शिक्षा प्रणाली का आकलन करते हुए उस अवधि के महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थानों की पहचान कीजिये।	4. (c)	• आरंभिक मध्ययुगीन भारत में शिक्षा के प्रचार-प्रसार में अग्रहारों की भूमिका का परीक्षण कीजिये।	15
H-2411	3. (b)	• मध्यकाल के प्रारंभ में कला और वास्तुकला में उल्लेखनीय विकास होने के साथ क्षेत्रीय स्तर पर इसमें विविधताएँ देखने को मिलीं। चर्चा कीजिये।	5. (a)	• बेसर शैली के मंदिर स्थापत्य की मुख्य विशेषताएँ बताइए।	10
H-2413	5. (c)	• एक शासक के रूप में फिरोज़शाह तुगलक का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।	5. (b)	• फिरोज शाह तुगलक की आर्थिक नीतियों का मूल्यांकन कीजिये।	10
H-2415	5. (e)	• सल्तनतकालीन स्त्रियों की दशा पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।	5. (e)	• पुर्तगाली औपनिवेशिक उपक्रम की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।	10

प्रश्न पत्र-II					
टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
H-2403 H-2414	2. (c) 1. (a)	● प्लासी में बोए गए ब्रिटिश साम्राज्यवाद के बीज बक्सर के युद्ध के बाद संवर्द्धित हुए। परीक्षण कीजिये। ● बक्सर युद्ध के निर्णय के बिना प्लासी की विजय का कोई अर्थ नहीं था।	1. (a)	● प्लासी के युद्ध के बाद भाड़े के सैनिक राजा निर्माता बन गए।	10
H-2410	3. (a)	● आंग्ल उपयोगितावाद के विचार भारत में भी प्रकट हुए, लेकिन इनका स्वरूप एवं विषय-वस्तु पूरी तरह से औपनिवेशिक थी। टिप्पणी कीजिये।	1. (b)	● उपयोगितावाद के मूल्यों ने कंपनी प्रशासन को भारतीय समाज में सुधार के लिये प्रयास के लिये प्रेरित किया।	10
H-2407	4. (c)	● भारत शासन अधिनियम 1935 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा दासता का चार्टर कहा गया था। इस संदर्भ में भारत शासन अधिनियम, 1935 की विशेषताओं का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।	1. (d)	● भारत सरकार अधिनियम 1935 के संघीय प्रावधान राजाओं के कठोर रूख से असफल हो गए।	10
H-2403	4. (b)	● ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान कृषि के व्यावसायीकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था और इसकी ग्रामीण आबादी को किस प्रकार प्रभावित किया?	2. (a)	● भारत में ब्रिटिश राजस्व नीतियों के फलस्वरूप कृषि वाणिज्यीकरण की गति में वृद्धि हुई। आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।	20
H-2403 H-2412	8. (b) 3. (a)	● वैचारिक विभेद और क्षेत्रीय विविधता वर्ष 1857 के विद्रोह की विफलता का कारण बनी। टिप्पणी कीजिये। ● 1857 के विद्रोह की विफलता के तात्कालिक कारण क्या थे? चर्चा कीजिये।	2. (b)	● 1857 का महान विद्रोह क्यों उत्तर भारत में ही सीमित रहा? उपमहाद्वीपीय में ब्रिटिश शासन की प्रकृति में यह कैसे परिवर्तन लाया? व्याख्या कीजिये।	20
H-2407	6. (a)	● एक ही वैचारिक सूत्र था जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय राष्ट्रवाद के चरित्र को विकसित किया। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।	3. (a)	● औपनिवेशिक भारत में राजनीतिक उग्रवाद अक्सर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद में अभिमुख हो जाते थे, परंतु हमेशा नहीं। टिप्पणी कीजिये।	20
H-2403	6. (c)	● बंगाल में स्वदेशी आंदोलन एक आत्म-संवृद्धि आंदोलन के रूप में विकसित हुआ। विश्लेषण कीजिये।	4. (a)	● 1905 के स्वदेशी आंदोलन ने कई कार्यनीतियों का पूर्वानुमान कर लिया था जिन्हें बाद में गांधीवादी जन आंदोलन के दौरान विकसित किया गया। आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।	20

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

H-2404 H-2410	1. (e) 6. (a)	● प्रबोधन काल में रूसो के योगदान की चर्चा कीजिये। ● प्रबोधन क्या है? प्रबोधन के आवश्यक आदर्शों और सिद्धांतों की चर्चा कीजिये।	5. (a)	● प्रबोधन विचारकों द्वारा उठाए गए विचार पुरातन राज के समाज तथा राजनीतिक व्यवस्था के लिये बेहद अस्थिर करने वाले और चुनौतिपूर्ण थे।	10
H-2412	6. (b)	● अमेरिकी गृह युद्ध के मूल कारण के रूप में दासता की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। उत्तर और दक्षिण के बीच भिन्न आर्थिक हितों ने संघर्ष में किस प्रकार योगदान दिया?	5. (b)	● अमेरिकी गृहयुद्ध औद्योगिक उत्तर तथा कृषीय दक्षिण की आवश्यकताओं की असमानता का परिणाम था।	10
H-2412 H-2404	5. (c) 6. (a)	● जर्मन एकीकरण 'रक्त और लोहे' के बजाय 'कोयला और लोहे' के माध्यम से प्राप्त किया गया था। ● जर्मनी का एकीकरण 'रक्त एवं लौह' और 'कोयले एवं लौह' की नीति के बीच एक संतुलन था। परीक्षण कीजिये।	5. (c)	● जर्मनी का एकीकरण जितना कोयले और लोहे का उत्पाद था उतना ही रक्त और लौह का भी।	10
H-2416 H-2408 H-2408 H-2408	7. (c) 5. (a) 5. (b) 8. (b)	● पूर्वी यूरोप में साम्यवाद के पतन के प्रमुख कारण क्या थे? ● बुल्गारिया में कम्युनिस्ट शासन बर्लिन की दीवार गिरने के एक दिन बाद ही गिर जाता है। बुल्गारिया में टोडर झिवकोव के पतन का विश्लेषण कीजिये। ● यद्यपि पूरे मध्य यूरोप, पूर्वी यूरोप और बाल्कन में साम्यवादी शासन की ऐतिहासिक नींव एक समान थी फिर भी वे अलग-अलग स्वरूपों में बिखर गए। हंगरी के संबंध में इस संक्रमण का विश्लेषण कीजिये। ● "पोलैंड साम्यवाद को अस्वीकार करने वाला प्रथम देश था, जिसे शीघ्र ही हंगरी और पूर्वी जर्मनी तथा अन्य देशों ने अस्वीकार किया, वर्ष 1991 के अंत तक लगभग 74 वर्षों के उपरांत रूस ने भी साम्यवाद का साथ छोड़ दिया।" दिये गए कथन के आलोक में पूर्वी यूरोप में साम्यवाद के पतन के कारणों की विवेचना कीजिये।	5. (e)	● 1989 की क्रांतियों ने केवल सरकारों को ही नष्ट नहीं किया; उन्होंने एक विचारधारा का भी अंत किया।	10
H-2412 H-2404	5. (b) 2. (a)	● अमेरिकी गृह युद्ध के मूल कारण के रूप में दासता की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। उत्तर और दक्षिण के बीच भिन्न आर्थिक हितों ने संघर्ष में किस प्रकार योगदान दिया? ● वे कौन-से कारक थे जिन्होंने इंग्लैंड को औद्योगिक क्रांति का अग्रदूत बनाया?	6. (a)	● इंग्लैंड के औद्योगिकरण का गतिक्रम, क्रांति कहने के लिये, कुछ ज्यादा ही लंबी अवधि के लिये था। टिप्पणी कीजिये।	20

H-2416	5. (d)	● इटली में फासीवाद के उदय के क्या कारण थे? कारणों सहित चर्चा कीजिये।	6. (b)	● प्रथम विश्वयुद्ध के बाद यूरोप का सामाजिक तथा राजनीतिक परिदृश्य फाँसीवाद के उदय के लिये विशिष्ट रूप से अनुकूल था। विवेचना कीजिये।	20
H-2416	5. (b)	● रूस की आर्थिक समस्याओं को सुलझाने में स्टालिन कितना सफल रहा?	6. (c)	● रूस के औद्योगीकरण में राज्य सबसे महत्त्वपूर्ण कारक था। टिप्पणी कीजिये।	10
H-2414 H-2412	8. (b) 7. (b)	● द्वितीय विश्व युद्ध को प्रायः मानव जाति के इतिहास में सबसे विनाशकारी युद्ध कहा जाता है। औचित्य सिद्ध कीजिये। ● आप सम्पूर्ण युद्ध की अवधारणा से क्या समझते हैं? पूर्ण युद्ध की विशेषताओं पर भी चर्चा कीजिये।	7. (a)	● द्वितीय विश्वयुद्ध वास्तविक वैश्विक संघर्ष था। विवेचना कीजिये।	20
H-2404 H-2408 H-2414	5. (d) 1. (b) 6. (a)	● रंगभेद के नस्लीय वर्गीकरण ने दक्षिण अफ्रीका की सामाजिक संरचना और अधिकारों को कैसे प्रभावित किया? ● रंगभेद की नीति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। ● रंगभेद की उत्पत्ति कैसे हुई? अफ्रीकी लोग अंततः कैसे इससे मुक्त हुए?	7. (c)	● नस्ल-भेद शासन की प्रकृति ने दक्षिण अफ्रीका के लोकतांत्रिक राज्य होने के दावे को कमजोर कर दिया।	10
H-2408 H-2408	6. (c) 8. (a)	● उन घटनाओं की शृंखला पर संक्षेप में चर्चा कीजिये जिनके कारण शीत युद्ध का उद्भव हुआ। ● "NATO एक सैन्य गठबंधन था किंतु इसने पूंजीवाद को आगे बढ़ाया तथा केवल अमेरीका के उद्देश्य को पूर्ण किया।" परीक्षण कीजिये।	8. (a)	● दो पावर ब्लाक का उद्भव न केवल प्रतिद्वंद्वी विचारधाराओं का प्रतीक था, परंतु दो वैकल्पिक आर्थिक विकास का प्रारूप भी था। व्याख्या कीजिये।	20
H-2408	7. (c)	● 'यद्यपि अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी नवस्वतंत्र देशों में अवरुद्ध विकास के लिये साम्राज्यवादी देश दोषी हैं तथापि स्वयं उपनिवेशों में भी दोष निहित थे।' स्पष्टीकरण कीजिये।	8. (b)	● लैटिन अमेरिका का अल्प विकास किस हद तक नवसाम्राज्यवाद के कारण हुआ?	20
H-2416	8. (b)	● वियतनाम आंदोलन के आलोक में वियतनाम की स्वतंत्रता के लिये हुए संघर्ष का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।	8. (c)	● हो ची मिन्ह वियतनामी स्वतंत्रता आंदोलन के केंद्रीय व्यक्ति के रूप में कैसे उभरे?	10

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501